दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

(संसदीय अधिनियम 14, 1964 द्वारा घोषित 'राष्ट्रीय महत्व प्राप्त संस्था')

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

DAKSHINA BHARAT HINDI PRACHAR SABHA, MADRAS

(DECLARED BY PARLIAMENT AS AN INSTITUTION OF NATIONAL IMPORTANCE BY ACT No. 14 of 1964)

POST GRADUATE AND RESEARCH COMPLEX

बी.ए. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)

B.A. (THREE YEAR COURSE)

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

DISTANCE EDUCATION DIRECTORATE

विवरण पत्रिका

PROSPECTUS

DAKSHINA BHARAT HINDI PRACHAR SABHA, MADRAS
THANIKACHALAM ROAD, T. NAGAR, CHENNAI - 600 017.
PHONE : 2434 1824, 2434 1244, 2434 5486, 2434 8640, 2433 2094 FAX : (044) 24348420, 2433 2098
www.dbhpsabha.org
Direct Phone Number to the Distance Education: (044) 24332033; Fax : (044) 2433 2033

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

एक झाँकी

1. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा शुरू से अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों को हिन्दी सिखा चुकी है।

2. विविध शीर्षक वाली करीब चार सौ पचास से अधिक हिन्दी पुस्तकें प्रकाशित कर चुकी है।

3. बावन हज़ार प्रशिक्षित हिन्दी शिक्षकों, प्रचारकों को तैयार कर चुकी है।

4. करीब 16 हज़ार केन्द्रों में हिन्दी वर्गों का संचालन हो रहा है।

5. सभा के प्रयत्न से दक्षिण में (द्विभाषा सूत्र को लागू करने के कारण तमिलनाडु राज्य को छोड़कर) हिन्दी न केवल मिडिल स्कूल व हाई स्कूलों में, बल्कि प्रायः सभी कॉलेजों में भी पढ़ाई जा रही है।

6. सभा दक्षिण के चारों राज्यों के विद्यालयों में हिन्दी को प्रवेश दिलाने में एक साधन के रूप में रही है। प्रौढ़ों और महिलाओं को साक्षर बनाने में इसकी मुख्य भूमिका रही है।

7. हिन्दी शिक्षा के साथ-साथ दक्षिण के प्रादेशिक भाषाओं तथा उनके साहित्य के समन्वय, आदान-प्रदान तथा हिन्दी में मौलिक सृजन-प्रक्रिया में भी सभा, मार्ग-दर्शन कर रही है।

8. सभा की परीक्षाओं में हर साल लगभग पाँच लाख परीक्षार्थी सम्मिलित होते हैं।

9. दक्षिण के चारों राज्यों में सभा की शाखा-प्रशाखाएँ, निजी-भवन तथा मुद्रण सुविधाओं के साथ-साथ हिन्दी के विकास की गतिविधियाँ फूल-फल रही हैं।

10. सभा के "उच्च शिक्षा और शोध संस्थान" द्वारा चारो प्रांतों में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., डी.लिट्. तथा हिन्दी माध्यम के बी.एड./शिक्षा स्नातक, हिन्दी प्रचारक प्रशिक्षण एवं अनुवाद डिप्लोमा कॉलेज चलाए जा रहे हैं।

11. दूरस्थ माध्यम से बी.ए., एम.ए. (हिन्दी), स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा, बी.ए. (तीन वर्ष), पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चलाए जा रहे हैं।

12. केन्द्र सभा का वार्षिक बजट पाँच करोड़ से अधिक का है।

13. दृश्य-श्रव्य माध्यम से (विज्ञान के नये आविष्कारों को काम में लाते हुए) हिन्दी प्रचार की नयी दिशा में काम हो रहा है।

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

भारत सरकार ने सभा को सन् 1964 में संसद में पारित अधिनियम सं. 14 के अनुसार "राष्ट्रीय महत्व की संस्था" के रूप में घोषित कर अभिस्वीकृति दी है।

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi-2, Dated the 30th May 1964

NOTIFICATION

(No. F. 19-49/61-H. 1)

No. S.O. ..... in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha Act, 1964 (Act.14 of 1964), the Central Government hereby appoints the 1st day of June, 1964, as the date on which the said Act shall come into force.

R. K. KAPUR

Joint Educational Adviser

Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha

(Central Act 14 of 1964)

AN INSTITUTION OF NATIONAL IMPORTANCE

Whereas the object of the institution known as the Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha are such as to make it an institution of national importance, it is hereby declared that the **Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha is an Institution of National Importance.**

(Section 3 of the Act)

POWERS OF THE SABHA

"Notwithstanding anything contained in the University Grants Commission Act 1956, or in any other law for the time being in force, the Sabha may hold such examinations and grant such degrees, diplomas and certificates for proficiency in Hindi or in the teaching of Hindi as may be determined by the Sabha from time to time."

(Section 4 of the Act)

पूज्य बापू
संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

डत्त्ढ़डत्तडध्र्इत्त फ़श्च्त्थ्क्त्इत्त्र 14 डत्त्व्रत्फ़ 1964 त्त्र क़त्त्ध्ध्ठुत्त्ध हत्रॅफ्ध्र्इत्त ज़्त्ड़□ट्टत्र त्रश्च डत्त्ढ़डध्र्त्त

डत्त्ढ़डध्रत्त्थ्छ्ध : डत्त्व्रत्फ़ 1918

सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष	:	**डॉ. जस्टिस शिवराज वी. पाटिल**
प्रथम उपाध्यक्ष	:	**श्री एच. हनुमंतप्प**
द्वितीय उपाध्यक्ष	:	**श्री ए.पी.सी.वी. चोक्कलिंगम**
समकुलपति	:	**श्री आर.एफ़. नीरलकट्टी**
कोषाध्यक्ष	:	**श्री सी.एन.वी. अण्णामलै**
चैयरमेन, कार्यकारिणी समिति एवं अध्यक्ष, शिक्षा परिषद्	:	**श्री एस. पार्थसारथी**
प्रधान सचिव	:	**श्री गोदा वेंकट कृष्णाराव**
प्रबंध निधिपालक	:	**श्री ई.एस. जोस**
विशेष अधिकारी	:	**श्री के. दीनबन्धु, आई.ए.एस. (सेवा निवृत्त)**
कुलसचिव	:	**प्रो. निर्मला एस. मौर्य**

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

डत्त्ढ़डध्रत्त्थ्छ्ध : डत्त्व्रत्फ़ 1964

संस्थान के पदाधिकारी

त्रॄ्ध ञत्त्थ्च्त्छ्थ्ध

डॉ. जस्टिस शिवराज वी. पाटिल

त्रॄ्ध ञत्छ्थ्ध

श्री एच. हनुमंतप्प

डत्रत्त्रॄ्ध ञत्छ्थ्ध

श्री आर.एफ़. नीरलकट्टी

त्रॄ्ध ञडत्थ्क़त्ट्टत्र

प्रो. निर्मला एस. मौर्य

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा : एक परिचय

हिन्दी भाषा के प्रचार के द्वारा जन-जागरण, प्रजातंत्र की जीवन-प्रणाली के प्रति आस्था उत्पन्न करने तथा राष्ट्रीय एकीकरण को सिंचित करने के पावन उद्देश्य से सन् 1918 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी ने दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा की नींव डाली थी और वे आजीवन इस संस्था के अध्यक्ष रहे। सन् 1918 से मद्रास में हिन्दी वर्ग चलने लगे। गांधीजी के सुपुत्र देवदास गांधी प्रथम हिन्दी प्रचारक बने। पं. जवाहरलाल नेहरू, बाबू राजेन्द्र प्रसाद, आचार्य विनोबा भावे, काका कालेलकर, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, श्री पी.वी. नरसिंह राव, श्री आर. वेंकटरामन, डॉ. बी.डी. जत्ती आदि मनीषियों ने सभा की गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया है।

सन् 1964 में संसद के अधिनियम द्वारा सभा को राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया गया। सभा को विश्वविद्यालय स्तर के पाठ्यक्रमों की शिक्षा देने और उपाधियाँ प्रदान करने का अधिकार प्राप्त हुआ।

सभा का केन्द्रीय कार्यालय चेन्नई (मद्रास) में है। सभा की शाखाएँ दक्षिण के चारों प्रान्तों - केरल, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु - में हैं तथा दिल्ली में संपर्क कार्यालय है।

सभा के द्वारा उपलब्ध सेवाएँ:

i. प्रारंभिक एवं उच्च परीक्षाएँ
ii. पाठ्य पुस्तकों का निर्माण एवं प्रकाशन
iii. प्रचारक/शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
iv. एम.ए., डी.लिट्., बी.एड. तथा स्नातकोत्तर-अनुवाद डिप्लोमा, पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम, बी.ए., एम.ए. (हिन्दी), स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा, एम.फिल., पीएच.डी. (दूरस्थ शिक्षा)।
v. मानक शब्दकोशों का निर्माण
vi. आडियो कैसेट का निर्माण–व्याकरण पाठ, बोलचाल की हिन्दी, बापू के प्रिय भजन आदि।
vii. जनसाधारण के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय तथा उच्च शिक्षा और शोध संस्थान से संबद्ध अनुसंधान कार्य के लिए राष्ट्रीय हिन्दी ग्रन्थालय की सुविधाएँ।

सभा का उद्देश्य:

सभा के प्रमाणित प्रचारकों के द्वारा दक्षिण के चारों प्रान्तों के गाँव-गाँव में हिन्दी पढ़ाने की व्यवस्था तथा एतद्वारा राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिन्दी के लिए दक्षिण भारत भर में अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना; हिन्दी के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी को हर प्रकार से समृद्ध बनाने में योग देना।

अन्य कार्यकलाप:

i. राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, विचार मंच, कवि गोष्ठियाँ, कवि-लेखक समादर, भाषण-मालाओं का आयोजन।
ii. अनुवाद के क्षेत्र में दक्षता प्रदान करने स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा अनुवाद कार्य के लिए सुविधाएँ।
iii. हिन्दी और अंग्रेजी के अलावा दक्षिण की सभी भाषाओं में कम्प्यूटर संसाधित मुद्रण सुविधाएँ।

सभा के इतिहास की कुछ प्रमुख घटनाएँ:

सन् 1918 सभा की स्थापना व प्रथम प्रचारक देवदास गांधी द्वारा हिन्दी वर्ग का प्रारंभ।

सन् 1920 प्रान्तीय भाषाओं में हिन्दी स्वबोधिनी का प्रकाशन।

सन् 1922 हिन्दी प्रचार सभा मुद्रणालय की स्थापना।

सन् 1922 हिन्दी प्रचारक प्रशिक्षण विद्यालय का प्रारंभ।

सन् 1923 "हिन्दी प्रचारक" पत्रिका का प्रकाशन - जो उत्तरोत्तर "हिन्दी प्रचार समाचार" के नाम से प्रकाशित होने लगा।

सन् 1936 प्रान्तीय शाखाओं की स्थापना।

सन् 1938 "दक्षिण भारत" साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन।

सन् 1946 बापूजी ने लगातार दस दिन जनवरी 21 से 30 तक सभा में ठहरकर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

सन् 1946 गांधीजी की अध्यक्षता में रजत जयंती समारोह।

सन् 1964 भारत की संसद के द्वारा सभा को "राष्ट्रीय महत्व की संस्था" घोषित किया जाना।

सन् 1971 स्वर्ण जयंती समारोह।

सन् 1979 हीरक जयंती समारोह।

सन् 1991 राष्ट्रीय हिन्दी अनुसंधान ग्रन्थालय का उद्घाटन।

सन् 1993 अमृतोत्सव का उद्घाटन।

सन् 1994 आडियो कैसेट के माध्यम से प्रचार-प्रसार शुरू (हिन्दी व्याकरण, बोलचाल की हिन्दी आदि)।

सन् 1999 "बापू के प्रिय भजन" कैसेट का लोकार्पण।

सन् 1999 "त्रिभाषा शब्द कोश" का प्रकाशन।

सभा के प्रमाणित प्रचारक

सभा की राष्ट्रभाषा विशारद और राष्ट्रभाषा प्रवीण परीक्षाओं में उत्तीर्णता के पश्चात् उपाधिधारी (यदि उनकी आयु 18 वर्ष अथवा उससे अधिक हो तो) सभा के प्रमाणित प्रचारक बन सकते हैं। वे गाँवों व शहरों में सबेरे और शाम के वक्त वर्ग संचालन करके सभा की परीक्षाओं के लिए विद्यार्थी तैयार करते हैं। फिलहाल महिलाओं सहित इन प्रमाणित प्रचारकों की कुल संख्या करीब 52,000 है।

पुस्तक प्रकाशन व साहित्य निर्माण

भारतीय प्रकाशक संघ की ओर से दक्षिण भारत में हिन्दी पुस्तक प्रकाशन एवं बिक्री के माध्यम से समाज की विशिष्ट सेवा के लिए दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा को "विशिष्ट पुस्तक विक्रेता पुरस्कार" दिया गया।

राष्ट्रीय हिन्दी अकादमी की ओर से पांडिचेरी में आयोजित 12वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में पुस्तक प्रदर्शनी का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

प्रायः प्रारंभिक व उच्च परीक्षाओं के लिए आवश्यक सभी पाठ्य-पुस्तकों की रचना व प्रकाशन सभा की ओर से किया जाता है। सभा ने पाठ्य-पुस्तकों के अलावा दक्षिण की संस्कृति, साहित्य आदि से संबंधित स्तरीय ग्रंथों के साथ-साथ हिन्दी और चारों प्रांतीय भाषाओं के कोशों का संकलन और प्रकाशन भी किया है।

सभा द्वारा प्रकाशित हिन्दी-अंग्रेज़ी, हिन्दी-तेलुगु, हिन्दी-तमिल, हिन्दी-कन्नड और हिन्दी-मलयालम की स्वबोधिनियाँ-अत्यंत लोकप्रिय हुई हैं। हाल ही में सभा ने त्रिभाषा "हिन्दी-अंग्रेज़ी-तमिल" कोश भी प्रकाशित किया है, जिसका सर्वत्र स्वागत हुआ है। उल्लेखनीय बात है कि अब तक सभा के द्वारा 450 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है।

पत्रिकाएँ

सभा प्रारंभ से ही मासिक "हिन्दी पत्रिका" प्रकाशित कर रही है। पहले उसका नाम "हिन्दी प्रचारक" था, अब "हिन्दी प्रचार समाचार" है। इसमें हिन्दी प्रचारकों तथा विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सामग्री प्रकाशित होती है। इसके अलावा सभा "दक्षिण भारत" नामक एक उच्च स्तरीय त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत 23 वर्षों से कर रही है।

मुद्रणालय

सभा का मुद्रणालय भारत की लगभग आठ भाषाओं में मुद्रण करता है। सभा के मुद्रणालय को साफ आकर्षक और सुंदर छपाई के लिए अखिल भारतीय विशेषज्ञ संघ तथा भारत सरकार की ओर से पुरस्कार मिले हैं।

सभा के महत्वपूर्ण कार्य

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अवधारणा के अनुसार बहुभाषी भारत में हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारने तथा राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देने में सभा ने अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया है। दक्षिण के चारों प्रांतों को राष्ट्रभाषा की दृष्टि से एक इकाई मानकर सभा ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है।

सभा के प्रयत्नों का ही यह शुभ परिणाम है कि स्वतंत्रता के पहले अनेक जगहों में और स्वतंत्रता के बाद सर्वत्र दक्षिण के स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में हिन्दी विषय तथा हिन्दी माध्यम का प्रवेश हुआ, हिन्दी के विभाग खोले गए, जिससे हज़ारों लोग हिन्दी में उच्च शिक्षा प्राप्त कर लाभान्वित हुए और यह क्रम आज भी जारी है।

स्त्री-शिक्षा की दिशा में सभा का काम महत्वपूर्ण है। जिन दिनों देश में स्त्री-शिक्षा का वातावरण सुषुप्तावस्था में था उस समय इसने हिन्दी के द्वारा महिलाओं को शिक्षित किया, उनमें आत्मविश्वास जागृत किया और उनको घर के संकुचित दायरे से बाहर निकलकर समाज और देश की सेवा करने की दिशा में प्रोत्साहित किया। इसके अलावा सभा ने ऐसे कई युवकों को भी हिन्दी में शिक्षित किया, जो स्कूलों में नहीं जा पाते थे। कहने का तात्पर्य है कि सभा ने **प्रौढ़ शिक्षा** के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किया है।

सभा का एक और महत्वपूर्ण स्थान साहित्य के क्षेत्र में है। सभा ने दक्षिण की चारों भाषाओं में सैकड़ों ऐसे लोगों को तैयार किया, जिन्होंने हिन्दी तथा दक्षिणी भाषाओं के बीच साहित्यिक आदान-प्रदान का कार्य किया और कई मौलिक कृतियों की रचना कर साहित्य की अभिवृद्धि की।

हिन्दी शिक्षण के क्षेत्र में सभा ने अत्याधुनिक इलक्ट्रानिक दृश्य-श्रव्य माध्यम के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाए हैं। इसके अन्तर्गत सभा तीन आडियो कैसेट (ध्वन्यंकित पाठ) जारी कर चुकी है –

(1) बोलचाल की हिन्दी (2) हिन्दी का सही प्रयोग (3) हिन्दी व्याकरण, भाग-I

हाल ही में सभा ने बापू के प्रिय भजनों का ध्वन्यंकन (आडियो कैसेट) जारी किया है। निकट भविष्य में वीडियो कैसेटों के निर्माण की योजना भी कार्यान्वित होगी।

सभा ने बोलचाल की हिन्दी पर ज़ोर देते हुए, "बच्चों की किताब", "रोज़मर्रा हिन्दी", "बोलचाल की हिन्दी" एवं "संभाषण हिन्दी" नाम की पुस्तकों का प्रकाशन तथा बालकों को स्कूलों में अंशकालीन शिक्षा के लिए "परिचय" परीक्षा संचालन कार्य भी शुरू किया है।

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान (विश्वविद्यालय शाखा)

सन् 1964 ई. में संसद में पारित अधिनियम सं. 14 के अनुसार सभा को हिन्दी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने और डिग्रियाँ प्रदान करने का अधिकार मिल गया है, उसीके अन्तर्गत सभा ने उच्च शिक्षा और शोध संस्थान के कार्य का शुभारंभ किया। इस संस्थान द्वारा हिन्दी में स्नातकोत्तर स्तर पर साहित्य और प्रयोजनमूलक पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। नियमित एम.ए. के वर्ग संचालित हो रहे हैं। डी.लिट., के लिए शोध कार्य संपन्न हो रहा है और डिग्रियाँ प्रदान की जा रही हैं। संस्थान हिन्दी शिक्षक तैयार करने की दृष्टि से बी.एड., एवं शिक्षा स्नातक कालेज चला रहा है। अब बी.ए. (तीन वर्ष), एम.ए. (हिन्दी), स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा, एम.फिल. और पीएच.डी. का दूरस्थ शिक्षा (Distance Education) पाठ्यक्रम भी शुरू हुआ है।

राष्ट्रीय हिन्दी अनुसंधान ग्रंथालय

सभा ने अपनी शैक्षणिक, साहित्यिक तथा प्रचारात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक ग्रंथालय शुरू किया, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए 40,000 ग्रंथों का आगार बन गया है। इसके अलावा जबसे सभा का उच्च शिक्षा और शोध संस्थान का प्रारंभ हुआ और शोध कार्य भी होने लगा, तबसे महसूस किया गया कि एक विशाल हिन्दी ग्रंथालय की आवश्यकता है। इसके लिए एक करोड़ रुपये की लागत से चेन्नई में "राष्ट्रीय हिन्दी अनुसंधान ग्रंथालय भवन" का निर्माण किया गया। इस ग्रंथालय का निरंतर विकास हो रहा है। अब इसमें करीब एक लाख से अधिक पुस्तकें हैं।

समर्पित हिन्दी सेवी, हिन्दी प्रचारकों, हिन्दी प्रेमियों और उत्साही छात्र-समुदाय के सहयोग एवं भारत सरकार के सीमित अनुदान की सहायता से महात्मा गांधी पदवीदान मण्डप का निर्माण सन् 1985-86 में संपन्न हुआ है।

शिक्षा विभाग

प्रचारक प्रशिक्षण विद्यालय निम्नलिखित केन्द्रों में चल रहे हैं: हैदराबाद, विशाखपट्टणम, तेनाली, गुन्तकल, अवनिगड्डा, विजयवाड़ा, काकिनाड़ा, जनगाँव, तिरुच्ची, ऊटी व चेन्नई।

महत्वपूर्ण वर्ष : सभा के इतिहास की दृष्टि से

संस्था की स्थापना	...	सन्	1918
प्रांतीय सभाओं की स्थापना	...	,,	1936
रजत जयंती	...	,,	1946
संपर्क कार्यालय, दिल्ली, की स्थापना	...	,,	1961
"राष्ट्रीय महत्व संस्था" की घोषणा एवं "उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान" की स्थापना	...	,,	1964
स्वर्ण जयंती	...	,,	1971
हीरक जयंती	...	,,	1979
अमृतोत्सव	...	,,	1993
दूरस्थ शिक्षा माध्यम से एम.ए. (हिन्दी) तथा स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा पाठ्यक्रम	...	,,	2002
दूरस्थ शिक्षा माध्यम से बी.ए. (तीन वर्षीय) पाठ्यक्रम	...	,,	2004
एम.फिल. पीएच.डी.	...	,,	2006

प्रमुख दीक्षान्त भाषण-दाता

महात्मा गांधी, आचार्य काका कालेलकर, पंडित रामनरेश त्रिपाठी, मुंशी प्रेमचन्द, पंडित सुन्दरलाल, बाबू पुरुषोत्तमदास टंडन, श्रीमती सरोजिनी नायुडु, डॉ. पट्टाभि सीतारामय्या, आचार्य विनोबा भावे, डॉ. जाकिर हुसैन, आर.आर. दिवाकर, श्रीप्रकाश, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, बाबू जगजीवन राम, डॉ. बी. गोपाल रेड्डी, डॉ. के.एल. श्रीमाली, लाल बहादुर शास्त्री, डॉ. रामधारी सिंह "दिनकर", मोरारजी देसाई, डॉ. वी.वी. गिरी, डॉ. करन सिंह, श्री के.सी. पंत, श्री एल.पी. साही, श्रीमती राम दुलारी सिन्हा, श्री अच्युत पटवर्धन, प्रो. रामलाल पारीख, श्री खुर्शीद आलम खाँ, डॉ. मोटूरी सत्यनारायण, डॉ. अर्जुन सिंह, श्रीमती कृष्णा साही, श्रीमती सुशीला रस्तोगी, प्रो. नारायणदत्त तिवारी, श्री शिवमंगल सिंह "सुमन", जस्टिस रंगनाथ मिश्र, डॉ. देवेन्द्र गुप्त, श्री राधाकृष्ण बजाज, डॉ. रजनी रॉय, प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद, प्रो. विष्णुकान्त शास्त्री, डॉ. हरि गौतम, श्री टी.एन. चतुर्वेदी आदि।

सभा की प्रमुख पत्रिकाएँ:–

हिन्दी प्रचार समाचार (मासिक)	-	चेन्नई
हिन्दी पत्रिका ,,	-	(तमिलनाडु) तिरुच्चिरापल्ली
केरल भारती ,,	-	(केरल) एरणाकुलम
पूर्णकुंभ, स्रवंती ,,	-	(आन्ध्र) हैदराबाद
भारतवाणी ,,	-	(कर्नाटक) धारवाड़
दक्षिण भारत (साहित्यिक-त्रैमासिक)	-	चेन्नई

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

मुख्यालय:

MADRAS	D.B. Hindi Prachar Sabha, Thanikachalam Road, T. Nagar, Chennai-600 017. Phone : 044 - 24341824, 24332033

आंचलिक केन्द्र:

1.	DHARWAD	D.B. Hindi Prachar Sabha, (KARNATAKA) D.C. Compound, Dharwad-580 001. Phone : 0836 - 2747763
2.	HYDERABAD	D.B. Hindi Prachar Sabha, Khairatabad, Hyderabad-500 004. Phone : 040 - 23316865
3.	ERNAKULAM	D.B. Hindi Prachar Sabha, Chittoor Road, Ernakulam, Cochin-682 016. Phone : 0484 - 2377766
4.	TRICHY	D.B. Hindi Prachar Sabha, (TAMILNADU) 35-B, Tennur High Road, Tiruchirapalli-620 017. Phone : 0431 - 2792929

दूरस्थ शिक्षा परीक्षा केन्द्र :

1.	VIJAYAWADA	D.B. Hindi Prachar Sabha, Hindi College Road, Machavaram, Vijayawada-520 004. Phone : 0866 - 2435039
2.	BANGALORE	D.B. Hindi Prachar Sabha, 113/114, Subedar Chatram Road, Sheshadiri Puram, (Opp. Hoyasala Hotel), Bangalore-560 020. Phone : 080 - 23310150
3.	MADURAI	D.B. Hindi Prachar Sabha, No.9, Alavukkara Street, South Krishnan Koil Opp. Lane, South Masi Street, Madurai-625 001. Phone :
4.	VISHAKHAPATNAM	D.B. Hindi Prachar Sabha, Door No.13-322/2 Sector-II, Ambedkar Nagar, Arilova, Vishakhapatnam - 530 040. (A.P.)
5.	KOPPAL	D.B. Hindi Prachar Sabha, Gadah Road, Koppal - 583 231. (KARNATAKA)
6.	MYSORE	D.B. Hindi Prachar Sabha, Vani Vilasam Road, K.R. Mohalla, Mysore - 570 004. (KARNATAKA)
7.	JANGOAN	D.B. Hindi Prachar Sabha, A.B.V. Degree College Road, Jangoan - 506 167. Warangal (Dt.) (A.P.
8.	OOTY	D.B. Hindi Prachar Sabha, Coonoor Road, OOTY - 643 001. (T.N.)

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
उच्च शिक्षा और शोध संस्थान
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
बी.ए. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)

प्रवेश :

संस्थान के बी.ए. दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए वे ही अभ्यर्थी अर्ह होंगे, जिसकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष हो।

बी.ए. प्रथम वर्ष :

वे ही छात्र प्रवेश पा सकते हैं जो दसवीं + पी.यू.सी./प्री-डिग्री/इंटर **अथवा** दसवीं + विशारद + राष्ट्रभाषा प्रवीण परीक्षा या तत्समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हों। पी.यू.सी. या प्री-डिग्री में हिन्दी ऐच्छिक विषय लेने पर विशारद परीक्षा से छूट ली जा सकती है।

बी.ए. द्वितीय वर्ष :

द्वितीय वर्ष बी.ए. में वे विद्यार्थी बैठ सकते हैं जो सभा की प्रथम वर्ष बी.ए. परीक्षा में उत्तीर्ण हों।

अथवा

वे ही छात्र प्रवेश पा सकते हैं जो दसवीं + पी.यू.सी./प्री-डिग्री/इंटर तथा सभा की राष्ट्रभाषा प्रवीण या तत्समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हों। बी.ए. द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश लेने पर उन्हें रु.200/- शुल्क अदा करना होगा।

बी.ए. तृतीय वर्ष

तृतीय वर्ष बी.ए. में वे विद्यार्थी बैठ सकते हैं जो सभा की प्रथम व द्वितीय वर्ष बी.ए. परीक्षा में उत्तीर्ण हों।

1. आवेदन-पत्र को पूर्णरूप से सावधानी से भरकर भेजना जरूरी है। अपूर्ण आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जानेवाली जेराक्स अंक सूची (Xerox copies of Marks Sheet) प्रमाण-पत्र आदि को किसी राजपत्रित अधिकारी/स्कूल, कालेज के प्रधान के द्वारा साक्षीकृत करवाना ज़रूरी है।

3. बी.ए. के आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित मूल प्रमाण पत्रों और उनकी एक-एक जेराक्स प्रति संलग्न करना आवश्यक है :-

   (अ) दसवीं (10th S.S.L.C.)

   (आ) एच.एस.सी. (+2) या समकक्ष

   (इ) राष्ट्रभाषा प्रवीण या समकक्ष अंक सूची एवं प्रमाण-पत्र

   (ई) मूल स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (T.C.)

यदि प्रमाण-पत्र हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी को छोड़कर किसी अन्य भाषा में हों, तो उनका अंग्रेज़ी में अनुवाद करवाकर राजपत्रित अधिकारी अथवा किसी शैक्षिक संस्था के प्रधान के द्वारा साक्षीकृत करवाएँ।

4. स्थानांतरण प्रमाण-पत्र को छोड़कर सभी मूल प्रमाण-पत्र जाँच के बाद वापस दे दिए जाएँगे। मूल प्रमाण-पत्र निश्चित समय पर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में छात्र निदेशक के नाम पत्र लिख सकते हैं।

5. जो छात्र वर्ष के बीच में अथवा प्रथम वर्ष के बाद पढ़ाई छोड़ देना चाहते/चाहती हैं, उन्हें वर्ष प्रारंभ होने के पहले ही लिखित सूचना निदेशक को देनी होगी।

6. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि निदेशालय को भेजने से पहले, सभी मूल प्रमाण-पत्रों की जेराक्स प्रतियाँ पर्याप्त संख्या में रख लें।

7. छात्रों की जिम्मेदारी होगी कि वे समय पर शिक्षा एवं अन्य शुल्क जमा करके पहचान-पत्र दूरस्थ शिक्षा निदेशालय से प्राप्त करें।

उल्लिखित सभी प्रमाण-पत्र भेजना आवश्यक है अन्यथा छात्र/छात्रा का आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है। **प्रवेश के संबंध में दूरस्थ शिक्षा संस्थान का निर्णय अंतिम होगा।**

बी.ए. (तीन वर्ष) पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले छात्र किसी अन्य कोर्स में प्रवेश नहीं ले सकेंगे। ऐसा करने से उनका छात्रत्व रद्द कर दिया जाएगा।

परीक्षाएँ :

1. परीक्षाएँ प्रत्येक सत्र के अंत में दिसंबर, मई में चलाई जाएँगी। परीक्षा आवेदन-पत्र समय पर दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा अलग डाक से भेजा जाएगा। परीक्षा शुल्क विवरण भी साथ में दिया जाएगा।

2. सभी पाठ्यक्रमों की लिखित परीक्षाएँ सभा के विभिन्न केन्द्रों में चलाई जाएँगी। एक केंद्र में कम से कम 20 विद्यार्थियों के होने पर ही उस केंद्र में परीक्षा चलाने की सुविधा दी जाएगी।

3. परीक्षाएँ लगातार इतवार और त्योहार की छुट्टियों में भी चलाई जाएँगी। ताकि सेवारत लोग (employed people) कम से कम छुट्टी लेकर परीक्षा दे सकें।

4. निर्धारित समय पर शुल्क न जमा करने वाले छात्रों का परीक्षाफल रोक लिया जाएगा।

5. परीक्षा आवेदन-पत्र के साथ तीन पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाना आवश्यक है। अतः छात्रों को सूचित किया जाता है कि परीक्षा आवेदन पत्र भेजने के लिए पर्याप्त संख्या में फोटो की कापियाँ अपने पास रखें।

6. परीक्षा शुल्क प्रत्येक पत्र के लिए रु. 250/- होगा, अर्थात् प्रत्येक वर्ष के लिए परीक्षा शुल्क रु. 900/- होगा।

7. जो छात्र प्रथम वर्ष की परीक्षा नहीं दे पाते हैं, उन्हें द्वितीय वर्ष के कोर्स में अनुमति दी जा सकती है। परन्तु उन्हें **नवीकरण शुल्क स्वरूप रु. 500/- तथा आगामी वर्ष का शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।** पहले वर्ष ही दत्तकार्य भेजे हों, तो उन्हीं के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। नया दत्तकार्य लिखने की पूरी जिम्मेदारी छात्र की होगी, इसके लिए उन्हें निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय को पत्र लिख कर नये सत्र का दत्तकार्य निर्धारित शुल्क रु. 100+100 (डाक खर्च) जमा कर मँगवाना होगा। फिर बाकायदा

परीक्षा शुल्क जमा करके वार्षिक परीक्षा दे सकते हैं। जो छात्र अगले वर्ष की परीक्षा के साथ-साथ पिछले वर्ष की छूटी हुई परीक्षा भी देना चाहते हों, तो उन्हें अनुमति दी जा सकती है। परन्तु किसी भी छात्र के पूरे अध्ययन की अवधि चार साल की ही रहेगी। अर्थात् प्रवेश से लेकर पूरे चार वर्षों में छात्र-छात्राओं को पूर्ण रूप से उत्तीर्ण होना अनिवार्य हैं। अन्यथा उनका छात्रत्व (Studentship) रद्द माना जाएगा।

8. शुल्क भरने के बाद ही पाठ्य सामग्री भेजी जाएगी।

9. परीक्षा-आवेदन पत्र में छात्र-छात्राएँ जिस केन्द्र का चयन करते हैं, उसे किसी भी स्थिति में बदला नहीं जा सकता। विशेष परिस्थिति में विद्यार्थी निर्धारित शुल्क रु. 100/- जमा कर परीक्षा केंद्र बदलने का आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में अंतिम निर्णय दूरस्थ शिक्षा निदेशालय का होगा।

10. **परिचय-पत्र :-** प्रवेश प्राप्त करने के बाद छात्रों को परिचय-पत्र दिया जाएगा, किसी कारणवश परिचय-पत्र खो जाने पर छात्र रु. 50/- कार्यालय में जमा कर नया परिचय-पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

11. **पुस्तकालय :-** सभा के सभी केन्द्रों में पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। छात्र निर्धारित शुल्क जमा कर सदस्य बन सकते हैं और पुस्तकालय का लाभ उठा सकते हैं। पुस्तकालय का सदस्य बनने के लिए परिचय-पत्र प्रस्तुत करना जरूरी है।

नोट :- छात्र सभा के स्थानीय केन्द्र के पुस्तकालय के नियमों का पालन करने के लिए बाध्य होंगे।

अंक विभाजन :

तीनों वर्षों के पाठ्यक्रम के प्रत्येक प्रश्न-पत्र में आंतरिक मूल्यांकन के लिए कुल 25 अंक और लिखित परीक्षा के लिए 75 अंक नियत हैं। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न-पत्र सौ अंक का रहेगा। **आंतरिक मूल्यांकन में कम से कम 10 अंक और लिखित परीक्षा में कम से कम 30 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।**

उत्तीर्णता नियम :

बी.ए. की तीनों वर्षों की परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40% (आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम 10 अंक तथा लिखित परीक्षा न्यूनतम 30 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।) है।

श्रेणी :-

तृतीय श्रेणी (उत्तीर्णता अंक) (III Class)	40 - 49	प्रतिशत
द्वितीय श्रेणी (II Class)	50 - 59	प्रतिशत
प्रथम श्रेणी (I Class)	60 - 74	प्रतिशत
प्रथम श्रेणी - विशेष योग्यता (Distinction)	75 प्रतिशत से अधिक	

पुनः जाँच एवं श्रेणी सुधार :

पुनः जाँच की सुविधा तथा श्रेणी सुधार के लिए पुनः परीक्षा देने की सुविधा रहेगी। इस हेतु कुलसचिव के नाम परीक्षा परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के भीतर आवेदन करना तथा निर्धारित शुल्क भेजना अनिवार्य

है। पुनः जाँच के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए रु.500/- शुल्क होगा और पुनः अंक गिनती करने के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए रु.50/- शुल्क होगा। श्रेणी सुधार हेतु (विशेष अनुमति पर) पुनः परीक्षा के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए शुल्क रु.150/- रहेगा।

शुल्क-विवरण

	बी.ए. (प्रथम वर्ष)	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)	बी.ए. (तृतीय वर्ष)
	रु.	रु.	रु.
1. **आवेदन पत्र**	**500**		
2. **वार्षिक शुल्क**	4000	4000	4000
विलंब शुल्क			
3. परीक्षा शुल्क	1500	(प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए रु. 250/-)	
4. स्थानांतरण शुल्क	500	+ रु. 50 डाक खर्च	
5. संस्थानांतरण शुल्क	500	+ रु. 50/- डाक खर्च	
6. प्राविजनल प्रमाणपत्र	600	+ रु. 50/- डाक खर्च	
7. परीक्षा केंद्र बदलने हेतु शुल्क	500		
8. पता बदलने हेतु शुल्क	100		
9. नवीकरण शुल्क	1000		
10. पुराने छात्रों को नया दत्तकार्य भेजने हेतु शुल्क	200	+ 100 (डाक खर्च) + प्रति प्रश्न पत्र रु. 50	
11. लौटा हुआ दत्त कार्य पुनः भेजने हेतु शुल्क	200	+ 100 (डाक खर्च) + प्रति प्रश्न पत्र रु. 50	
12. लौटी हुई पाठ्य सामग्री पुनः भेजने हेतु शुल्क	500	+ 200	
13. मूल प्रमाण पत्र हेतु शुल्क	1000	+ 50 (डाक खर्च)	
14. नाम बदलने हेतु शुल्क	500		
15. डुप्लिकेट प्रमाण पत्र हेतु शुल्क	1000	+ 50 डाक खर्च	

1. बी.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख – 30 जून, 25 फरवरी
2. बी.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए विलम्ब शुल्क रु. 150/- के साथ जमा करने की अंतिम तारीख – 30 जुलाई, 30 मार्च
3. बी.ए. प्रथम वर्ष का पंजीकरण शुल्क तथा शिक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख – 7 जुलाई, 25 फरवरी
   (क) विलम्ब शुल्क रुपये 150/- के साथ शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख – 31 अगस्त, 30 मार्च
   (ख) विलम्ब शुल्क रुपये 300/- के साथ शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख – 30 सितंबर, 30 अप्रैल
   (ग) विलम्ब शुल्क रुपये 500/- के साथ शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख – 31 अक्तूबर, 30 मई

भुगतान की पद्धति

1. भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ पंजीकरण शुल्क तथा अन्य सभी शुल्क के लिए एक डी.डी. **"The Registrar, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, Madras"** के नाम लेकर रजिस्टर्ड डाक द्वारा **(निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय) The Director, Distance Education Directorate, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, T. Nagar, Chennai-17,** को यथासमय पहुँचाना जरूरी है।
2. तात्कालिक रूप से प्रवेश अनुमति-पत्र प्राप्त होते ही, प्रथम वर्ष का शुल्क एवं अन्य शुल्क जमा करना होगा। **द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए शुल्क जमा करने की सूचना अलग रूप से नहीं दी जाएगी।** अतः छात्रों को सलाह दी जाती है कि द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में शुल्क समय पर जमा करने के लिए "विवरण पत्रिका" को सुरक्षित रखें। जिन लोगों ने शुल्क नहीं जमा किया है उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। पुनः प्रवेश के लिए निदेशक की विशेष अनुमति प्राप्त करनी होगी। **छात्रों को किस्तों में शुल्क अदा करने के लिए अनुमति नहीं है।**
3. शिक्षा-शुल्क एवं परीक्षा शुल्क के लिए **अलग-अलग डी.डी.** लेकर भेजना अनिवार्य है।
4. **एक बार शुल्क अदा करने पर किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।**

सामान्य अनुदेश :

1. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि शुल्क-रकम **The Registrar, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, T. Nagar, Madras-600 017** के नाम डी.डी. के द्वारा अथवा देना बैंक विस्तरण शाखा में जमा करके **The Director, Distance Education Directorate, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, T. Nagar, Chennai-600 017** के नाम Registered Post with Acknowledgement due पर भेज सकते हैं या समक्ष पहुँचा सकते हैं। **मनी आर्डर, मेल ट्रान्सफर के द्वारा शुल्क स्वीकृत नहीं किया जाएगा।**

शिक्षण पद्धति :

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों के लाभार्थ शिक्षण निम्नप्रकार से दिया जाएगा :-

1. पाठ्य-सामग्री :

पाठ्य-सामग्री 'दूरस्थ शिक्षा निदेशालय' दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, के द्वारा शिक्षा शुल्क अदा करने पर ही भेजी जाएगी। **पाठ्य-सामग्री, प्रश्न-बैंक, दत्तकार्य उत्तर पुस्तिका और संबंधित पुस्तकों के लिए अलग से शुल्क देना होगा, जिसकी सूचना यथासमय दी जाएगी।**

यदि किसी कारणवश (डाक संबंधी या अन्य) पाठ्य सामग्री दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के पास लौट आती है तो उसे पुनः भेजने के लिए निर्धारित शुल्क रु. 500/- जमा करना होगा।

2. दत्तकार्य :

(i) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में दो दत्त कार्य भेजें जायेंगे।

(ii) प्रत्येक प्रश्न-पत्र में आंतरिक मूल्यांकन के लिए 25 अंक निर्धारित हैं।

(iii) यदि किसी कारणवश विद्यार्थियों को भेजा गया दत्त कार्य वापस दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में लौट आता है तो विद्यार्थी के विशेष अनुरोध पर दत्त कार्य उसे पुनः भेजा जा सकता है, जिसके लिए विद्यार्थी को निर्धारित शुल्क रुपये 500/- जमा करना होगा।

(iv) दत्त कार्य पूरा करके निर्धारित समय पर मूल्यांकन हेतु निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के नाम पर भेजना होगा।

(v) जो दत्तकार्य निर्धारित समय के बाद प्राप्त होंगे उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

विवाद : प्रवेश, परीक्षा आदि से संबंधित सभी मामलों के लिए न्यायालय - अधिकार क्षेत्र - चेन्नई रहेगा।

पता-परिवर्तन : किसी प्रकार के **"पता-परिवर्तन"** के संदर्भ में, परिवर्तित पते की सूचना, अपनी प्रवेश-संख्या का उल्लेख करते हुए, "निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, द.भा.हि.प्र. चेन्नई-17" **"The Director, Distance Education Directorate, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, Thyagarayanagar, Chennai-17"** के नाम भेजना होगा। अन्यथा छात्रों के द्वारा, आवेदन-पत्र पर पहले दिये हुए पते पर ही सारी सूचनाएँ भेजी जाएँगी।

समय सारणी

1. विज्ञापन तथा आवेदन-पत्र वितरण – **15 मई, 15 जनवरी**
2. शैक्षिक वर्ष का प्रारम्भ – **15 जून, 15 फरवरी**
3. बीए.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए शिक्षा शुल्क जमा करने की अन्तिम तारीख – **30 जून, 29 फरवरी**
4. बीए.ए. प्रथम वर्ष के पंजीकरण शुल्क तथा शिक्षा शुल्क जमा करने की अन्तिम तारीख – **30 जुलाई, 30 मार्च**
5. अध्ययन सामग्री तथा पाठ निर्देश का विवरण शिक्षा शुल्क जमा करने के 30 दिनों के अंदर भेज दिया जाएगा – **30 दिनों के अंदर**
6. परीक्षा आवेदन-पत्र संस्थान से भेजने की अंतिम तारीख – **14 जनवरी, 30 मई**
7. परीक्षा शुल्क, परीक्षा आवेदन-पत्र सहित जमा करने की अन्तिम तारीख – **15 फरवरी, 15 जून**
8. तात्कालिक प्रमाण-पत्र,स्थानांतरण प्रमाण-पत्र और संस्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय को पत्र लिखें। पत्र के साथ अंक सूची की जेरॉक्स कॉपी अवश्य भेजें। उक्त विषयों से संबंधित आवेदन-पत्र भर कर देने पर ही प्रमाण-पत्र दिए जाएँगे।

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रश्न-पत्र	विषय	विषय कोड
प्रश्न-पत्र : 1	हिंदी साहित्य का इतिहास	C 101 H
प्रश्न-पत्र : 2	सामान्य भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा की संरचना	C 102 H
प्रश्न-पत्र : 3	भक्तिकालीन काव्य	C 103 H
प्रश्न-पत्र : 4	रीतिकालीन काव्य	C 104 H
प्रश्न-पत्र : 5	तुलनात्मक साहित्य	C 105 H
प्रश्न-पत्र : 6	English Grammar	C 106 E

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रश्न-पत्र – 1

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(भक्तिकाल और रीतिकाल)

इकाई – 1 साहित्य का इतिहास : सिद्धांत और स्वरूप

इकाई – 2 काल विभाजन एवं नामकरण की समस्याएँ

इकाई – 3 आदिकाल : सामान्य परिचय

इकाई – 4 भक्तिकालीन परिस्थितियाँ

इकाई – 5 भक्तिकाल : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

इकाई – 6 रीतिकाल : साहित्य निर्माण की पृष्ठभूमि

इकाई – 7 रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – रामकुमार वर्मा एवं त्रिलोकी नारायण दीक्षित : राम नारायण लाल : इलाहाबाद
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र, प्र. मयूर पेपरबैक्स, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्न-पत्र – 2

सामान्य भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा की संरचना

1. सामान्य भाषाविज्ञान:

इकाई – 1 भाषा की परिभाषा

इकाई – 2 भाषा के लक्षण

इकाई – 3 भाषा और बोली

इकाई – 4 उच्चरित और लिखित भाषा

इकाई – 5 भाषा विज्ञान का अन्य शास्त्रों के साथ संबंध

2. हिन्दी भाषा संरचना के स्तर:

इकाई – 6 ध्वनि वैज्ञानिक स्तर पर

इकाई – 7 रूपवैज्ञानिक स्तर पर

इकाई – 8 शब्द वैज्ञानिक स्तर पर

इकाई – 9 वाक्य वैज्ञानिक स्तर पर

इकाई – 10 अर्थ वैज्ञानिक स्तर पर

3. हिन्दी भाषा का विकास:

इकाई – 11 हिन्दी भाषा का विकास

इकाई – 12 हिन्दी भाषा के वर्ग

इकाई – 13 हिन्दी की बोलियाँ

इकाई – 14 हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि

संदर्भ ग्रंथ:

1. भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सामान्य भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद
4. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
5. सामान्य भाषा विज्ञान – वैश्ना नारंग, संस्थान प्रकाशन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, दिल्ली
6. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. स्वनिम विज्ञान और हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – शारदा भसीन, आर्य बुक डिपो, दिल्ली

8. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार लीडर प्रेस, इलाहाबाद
9. आधुनिक भाषा विज्ञान – हेमचन्द्र जोशी, मंजु प्रकाशन, लखनऊ
10. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दोस्तानी एकेडमी, प्रयाग
11. हिन्दी भाषा की संरचना – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. हिन्दी उद्‌भव और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी – अनंत चौधरी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
15. हिन्दी भाषा की लिपि संरचना – (सं.) भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
16. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्न-पत्र - 3

भक्तिकालीन काव्य

भक्तिकालीन-काव्यः-

इकाई – 1 जायसी (नागमती वियोग खंड)

इकाई – 2 तुलसीदास (विनय के पद)

इकाई – 3 सूरदास (वात्सल्य एवं ृंगार के पद)

इकाई – 4 कबीर (दोहा एवं पद)

इकाई – 5 मीराबाई (पद)

(व्याख्या दी जाएगी और आलोचनात्मक प्रश्न भी पूछे जाएँगे।)

प्रश्न-पत्र - 4

रीतिकालीन काव्य

रीतिकालीन काव्यः-

इकाई – 1 बिहारीलाल (श्रृंगार के दोहे, नीति के दोहे, भक्ति के दोहे)

इकाई – 2 भूषण (शिवराज भूषण, शिवा बावनी)

इकाई – 3 रहीम (दोहे)

इकाई – 4 घनानंद (कवित्त)

इकाई – 5 बोधा (सवैया)

(व्याख्या दी जाएगी और आलोचनात्मक प्रश्न भी पूछे जाएँगे।)

प्रश्न-पत्र - 5

तुलनात्मक साहित्य

इकाई – 1 **तुलना और मानव स्वभाव**

इकाई – 2 **साहित्य में तुलना**

इकाई – 3 **तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप**

इकाई – 4 **भारत में तुलनात्मक साहित्य का महत्व**

इकाई – 5 **भारतीय साहित्य की तुलना के धरातल**

इकाई – 6 **तुलनात्मक साहित्य और विश्वसाहित्य**

इकाई – 7 **तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद**

इकाई – 8 **तुलनात्मक साहित्य का वैचारिक पक्ष:**

इकाई – 9 **समकालीन भारतीय साहित्य की दो कृतियों का अध्ययन:**

क) उपन्यास – शेष प्रश्न (बंगाली)

ख) कविता-संग्रह – संकलित

संदर्भ ग्रंथ:

1. तुलनात्मक साहित्य - सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इन्द्रनाथ चौधरी, द.भा.हि.प्र. सभा, चेन्नै-17.
3. भारतीय भाषाएँ और राष्ट्रीय अस्मिता - सं. डॉ. मुकुंद द्विवेदी, हिन्दी अकादमी, दिल्ली

पत्र-पत्रिकाएँ:

1. भारतीयकरण किसका? - मुक्तधारा (सा), नयी दिल्ली
2. तुलनात्मक अध्ययन-प्रेरणाएँ, दिशाएँ और सीमाएँ - नवभारत टाइम्स (दै.), मुंबई - 19th June 1972
3. भाषाएँ अनेक विचार एक - दक्षिण भारत (त्रै), मद्रास - April-June-1972

प्रश्न-पत्र - 6

ENGLISH GRAMMAR

1. Murphy's English Grammar (Third Edition) – Cambridge University Press, Price : Rs. 295/-.

बी.ए. पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष

योग्यता :

द्वितीय वर्ष बी.ए. में वे विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं जो द.भा.हिं.प्र. सभा, मद्रास, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की प्रथम वर्ष बी.ए. परीक्षा में उत्तीर्ण हों।

अथवा

द्वितीय वर्ष बी.ए. में वे ही छात्र प्रवेश पा सकते हैं जो दसवीं + पी यू सी / प्रीडिग्री /इंटर तथा सभा की राष्ट्रभाषा प्रवीण या तत्समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हों। उन्हें प्रथम वर्ष से रु. 200/- शुल्क अदा करने पर छूट दी जाएगी।

शिक्षा माध्यम

शिक्षा का माध्यम हिन्दी होगी। परीक्षाओं में भी हिंदी में ही उत्तर लिखने होंगे। (अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम के अलावा)।

परीक्षा केन्द्र

एक केन्द्र में कम से कम 20 विद्यार्थियों के रहने पर परीक्षा केन्द्र दिया जाएगा।

आयु : प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष।

शुल्क : बी.ए द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिए रू. 1500/- शुल्क निर्धारित है। हर साल की परीक्षा में छः प्रश्न पत्र होंगे।

बैकलॉग हो तो, हरेक प्रश्न पत्र के लिए परीक्षा शुल्क रु.100/- रहेगा।

बी.ए. द्वितीय वर्ष

तीन अनिवार्य प्रश्न पत्रः **300 अंक**

हिन्दी - दो पत्र (अनिवार्य)

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी : स्वरूप और प्रकार्य
2. हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

अंग्रेजी - एक पत्र (अनिवार्य)

3. Functional Grammar of English Language

तीन ऐच्छिक प्रश्न पत्रः **300 अंक**

निम्न विषयों में से **तीन विषय चुनने होंगे,** जिनमें अंग्रेजी या हिन्दी में से कोई **एक भाषा** तथा तीन विषयों में से कोई **दो विषय** चुनने होंगे।

भाषाः

हिन्दी (ऐच्छिक)

1. हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ

अथवा

अंग्रेजी (ऐच्छिक)

1. English Prose and Poetry

विषयः

1. राजनीतिविज्ञान
2. इतिहास
3. समाजशास्त्र

हर प्रश्न-पत्र 100 अंक का होगा।

(कुल 600 अंक होंगे)

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रश्न-पत्र		विषय	विषय कोड
प्रश्न-पत्र : 1	हिन्दी (अनिवार्य)	प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप और प्रकार्य	C 201 H
प्रश्न-पत्र : 2	हिन्दी (अनिवार्य)	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल	C 202 H
प्रश्न-पत्र : 3	अंग्रेज़ी (अनिवार्य)	Functional Grammar of English Language	C 203 E
प्रश्न-पत्र : 4	हिन्दी (वैकल्पिक)	हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ	VB 204 H
प्रश्न-पत्र : 4	अंग्रेज़ी (वैकल्पिक)	English Prose and Poetry	VB 205 E
प्रश्न-पत्र : 5-6	राजनीति विज्ञान (वैकल्पिक)	राजनीतिक सिद्धांत और भारतीय राजनीतिक चिंतन	V 206 R
प्रश्न-पत्र :	इतिहास (वैकल्पिक)	प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत का इतिहास	V 207 I
प्रश्न-पत्र :	समाजशास्त्र (वैकल्पिक)		V 208 S

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रश्न-पत्र - 1

हिन्दी (अनिवार्य)

प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप और प्रकार्य

इकाई – 1 हिंदी भाषा के विविध प्रकार्य

इकाई – 2 प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई – 3 प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप : व्यावसायिक हिंदी

इकाई – 4 कार्यालयीन हिंदी

इकाई – 5 वैज्ञानिक एवं तकनीकी हिंदी

इकाई – 6 विज्ञापन की हिंदी

इकाई – 7 हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियाँ

इकाई – 8 हिंदी में प्रशासनिक पत्राचार के रूप

इकाई – 9 हिंदी में टिप्पण लेखन

इकाई – 10 हिंदी में मसौदा लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग प्रकाशन, दिल्ली
2, राजभाषा हिन्दी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कामकाजी हिन्दी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. व्यावसायिक हिन्दी - दिलीप सिंह, द.भा.हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
5. हिन्दी : विविध भूमिकाएँ - हीरालाल बछोतिया, आर्य प्रकाशन मंडली, दिल्ली
6. संपर्क भाषा हिन्दी - विविध आयाम–सं.–सुरेशकुमार, ठाकुरदास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
7. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिंदी - कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्न-पत्र - 2

हिंदी (अनिवार्य)

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

इकाई – 1 आधुनिक काल : नामकरण और पूर्व पीठिका

इकाई – 2 हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

इकाई – 3 हिंदी नाटक और एकांकी

इकाई – 4 हिंदी कहानी : उद्‌भव, विकास और स्वरूप

इकाई – 5 हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास

इकाई – 6 छायावाद

इकाई – 7 छायावादोत्तर काव्य और प्रगतिवाद

इकाई – 8 प्रयोगवाद

इकाई – 9 नई कविता

प्रश्न-पत्र - 3

अंग्रेज़ी (अनिवार्य)

ENGLISH (Compulsory)

Functional Grammar of English Language

1. Drafting Telegrams and Telex Messages
2. Hi-Tech Language
3. Print Media

4. Advertising

5. Note Taking

6. Precis Writing

7. Report Writing

8. Letter Writing

9. Paragraph Writing

10. Essay Writing

प्रश्न-पत्र - 4

हिन्दी (वैकल्पिक)

हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ

इकाई – 1 **भाषा और समाज का अंतः संबंध**

इकाई – 2 **भाषा और संस्कृति का अंतः संबंध**

इकाई – 3 **हिन्दी भाषा समुदाय की विशेषता**

इकाई – 4 **समाज भाषा वैज्ञानिक स्तर पर हिन्दी भाषा**

इकाई – 5 **समाज भाषा वैज्ञानिक संकल्पनाएँ और हिन्दी भाषा**

संदर्भ ग्रंथः-

1. हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ – सं. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. हिन्दी की सामाजिक भूमिका – भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी भाषा का समाज-शास्त्र – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्न-पत्र - 4

अंग्रेज़ी (वैकल्पिक)

English Prose and Poetry

PART – A (PROSE)

1. The Gift of the Magi ***–O. Henry***
2. On the Rule of the Road ***–A.G. Gardiner***
3. Education Eating Up Life ***–Stephen Leacock***
4. The Ant and the Grasshopper ***–W.S. Maugham***
5. The Temple and The Mosque ***–Premchand***
6. The Hour of Truth ***–Percival Wilde***
7. A Dialogue on Civilization ***–C.E.M. Joad***
8. An Astrologer's Day ***–R.K. Narayan***
9. Anukul ***–Satyajit Ray***
10. Packing ***–Jerome K. Jerome***

PART – B (POETRY)

1. On His Blindness ***–John Milton***
2. On the Castle of Chillon ***–Lord Byron***
3. Women's Rights ***–Annie Louisa Walker***
4. If ***–Rudyard Kipling***
5. Indian Weavers - ***Sarojini Naidu***
6. Once upon a Time ***–Gabriel Okara***
7. Night of the Scorpion ***–Nissim Ezekiel***
8. Ajamil and the Tigers ***–Arun Kolatkar***
9. Mother ***–P. Lankesh***
10. On Killing a Tree ***–Gieve Patel***

राजनीति विज्ञान (वैकल्पिक)

शीर्षक : राजनीतिक सिद्धांत और भारतीय राजनीतिक चिंतन

इकाई – 1 राजनीति विज्ञान : परिचय, अर्थ और परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व

इकाई – 2 राज्य की उत्पत्ति, ऐतिहासिक विकास, राज्य के प्रकार, राज्य के कार्य, लोक कल्याणकारी राज्य की संकल्पना, नागरिकता, अधिकार और कर्त्तव्य

इकाई – 3 राजनीतिक सिद्धांत : प्रकृति और महत्व, सत्ता और शक्ति की भूमिका, न्याय, समानता और स्वतंत्रता की संकल्पना, संप्रभुता की संकल्पना

इकाई – 4 भारतीय राजनीतिक चिंतन : स्रोत, प्राचीन भारतीय चिंतक : मनु, कौटिल्य, बसवण्णा

इकाई – 5 आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक : स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, महात्मा गाँधी

संदर्भ ग्रंथ :-

1. राजनीतिक सिद्धांत - डॉ. एस.सी. सिंहल – लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
2. राजनीति विज्ञान - पुखराज जैन – साहित्य भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लि. आगरा

इतिहास (वैकल्पिक)

खंड - अ

शीर्षक : प्राचीन भारत का इतिहास

इकाई – 1 भारतीय इतिहास पर भौगोलिक प्रभाव - प्राचीन भारत के ऐतिहासिक स्रोत - सिन्धु घाटी की सभ्यता - वैदिक काल

इकाई – 2 बौद्ध धर्म और जैन धर्म - हिन्दू धर्म आन्दोलन - सिकन्दर का आक्रमण - ई.पू. छठी शताब्दी में उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति - मगध राज्य का उत्थान

इकाई – 3 मौर्य साम्राज्य - मौर्यकालीन इतिहास के स्रोत – मौर्य प्रशासन - मौर्यकालीन सभ्यता एवं संस्कृति - मौर्यकालीन कला-बिंदुसार - अशोक - मौर्य साम्राज्य का पतन-कुषाण वंश

इकाई - 4 गुप्त साम्राटों की शासन व्यवस्था - गुप्त साम्राज्य - गुप्तकालीन सभ्यता और संस्कृति

इकाई - 5 हर्षवर्धन – उपलब्धियाँ – शासन प्रबन्ध – राजनैतिक स्थिति – हर्ष के समय में सभ्यता और संस्कृति – हर्ष की मृत्यु और परिणाम-उत्तरी भारत : गुर्जर - प्रतिहार।

खंड - ब

शीर्षक : मध्यकालीन भारत का इतिहास

इकाई – 1 मध्यकालीन भारतीय इतिहास को जानने के स्रोत – 11वीं और 12वीं सदी में तुर्कों के आक्रमण और तुर्की राज्य की स्थापना – गुलामवंश – कुतबुद्दीन ऐबक – इल्तुतमिश – रज़िया बेगम – बलबन

इकाई – 2 खिलजी वंश – अलाउद्दीन खिलजी – खिलजियों का शासनकाल तुगलक वंश – गियासुद्दीन तुगलक – मुहम्मद बिन तुगलक – फिरोज शाह तुगलक – सैयद, लोदी वंश

इकाई – 3 सल्तनत काल में शासन – व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक व्यवस्था–मध्यकाल में सांस्कृतिक और धार्मिक प्रवृत्तियाँ – वास्तुशैली भाषा और साहित्य – भक्ति आंदोलन, सूफ़ी आंदोलन – प्रांतीय राज्य

इकाई – 4 मुगल शासन की स्थापना – बाबर – हुमायूँ – शेरशाह – अकबर – जहाँगीर और शाहजहाँ

इकाई – 5 औरंगजेब – आंतरिक नीति – मुगल काल में सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियाँ साहित्य कला और स्थापत्य, मुगल साम्राज्य का पतन

मानचित्र:

पाठ्य सामग्री से संबंधित मानचित्र ही परीक्षा में दिए जाएँगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. एल.पी. शर्मा, मध्यकालीन भारत का इतिहास (1526–1761 ईस्वीं), लक्ष्मी नारायण, आगरा।
2. हरिशंकर शर्मा, मध्यकालीन भारत (1000–1761 ईस्वीं), मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर।
3. अंशु मंगल, भारतीय इतिहास (प्रारम्भ से 1964 ई. तक), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
4. एल.पी. शर्मा, मध्यकालीन भारत का इतिहास (1200–1526 ईस्वीं), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
5. राधाकुमुद मुखर्जी, प्राचीन भारत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. दामोदर धर्मानंद कोसंबी, प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. हरिशंकर शर्मा, प्राचीन भारत का इतिहास, मलिक एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
8. प्रो. श्रीनेत्र पाण्डेय, प्राचीन भारत का इतिहास (320 ईसवी से 9200 ईसवी तक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. प्रो. श्रीनेत्र पाण्डेय, भारत वर्ष का बृहत् इतिहास (1527 ई. से अब तक), द्वितीय भाग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. डॉ. कालूराम शर्मा – प्राचीन भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 2004
11. डॉ. पृथ्वीकुमार अग्रवाल – प्राचीन भारतीय कला एवम् वास्तु, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2002.

तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम का विवरण इस प्रकार है:

दो भाषाओं में से एक भाषा तथा तीन विषयों में से एक विषय चुनना अनिवार्य है। हर प्रश्न-पत्र 100 अंक का होगा। कुल 600 अंक होंगे।

योग्यता :

तृतीय वर्ष बी.ए. में वे विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं जो द.भा.हिं.प्र. सभा, मद्रास, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की प्रथम व द्वितीय वर्ष बी.ए. परीक्षा में उत्तीर्ण हों।

शिक्षा माध्यम

शिक्षा का माध्यम हिन्दी होगी। परीक्षाओं में भी हिंदी में ही उत्तर लिखने होंगे, (अंग्रेज़ी के अलावा)।

परीक्षा केन्द्र

एक केन्द्र में कम से कम 20 विद्यार्थियों के रहने पर परीक्षा केन्द्र दिया जाएगा।

शुल्क : बी.ए तृतीय वर्ष में प्रवेश के लिए रू.1500/- शुल्क निर्धारित है। हर साल की परीक्षा में छः प्रश्न पत्र होंगे।

बैकलॉग हो तो, हर एक प्रश्न-पत्र के लिए परीक्षा शुल्क रु. 150/- रहेगा।

बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रश्न-पत्र	विषय	विषय कोड
हिन्दी (Hindi)		
प्रश्न-पत्र : 1	आधुनिक हिन्दी गद्य	VB301H
प्रश्न-पत्र : 2	आधुनिक हिन्दी कविता	VB302H
प्रश्न-पत्र : 3	आधुनिक हिन्दी एकांकी	VB303H
अंग्रेजी (English)		
प्रश्न-पत्र : 1	History of English Literature	VB304E
प्रश्न-पत्र : 2	English Poetry	VB305E
प्रश्न-पत्र : 3	English Prose, Drama and Novel	VB306E
राजनीति विज्ञान (Political Science)		
प्रश्न-पत्र : 1	भारतीय संविधान – शासन और राजनीति	V307R
प्रश्न-पत्र : 2	लोक प्रशासन	V308R
प्रश्न-पत्र : 3	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और अंतर्राष्ट्रीय संगठन	V309R
इतिहास (History)		
प्रश्न-पत्र : 1	भारतीय इतिहास का आधुनिक काल	V310I
प्रश्न-पत्र : 2	दक्षिण भारत का इतिहास (प्राचीन काल से 1700 ई. तक)	V311I
प्रश्न-पत्र : 3	आधुनिक यूरोप का इतिहास (1789–1945)	V312I
समाजशास्त्र (Sociology)		

वैकल्पिक भाषा : हिन्दी (HINDI)

प्रश्न-पत्र - 1

आधुनिक हिन्दी गद्य

1.	दाँत	– प्रतापनारायण मिश्र	निबंध
2.	साहित्य की महत्ता	– महावीर प्रसाद द्विवेदी	निबंध
3.	आत्म-निर्भरता	– रामचन्द्र शुक्ल	निबंध
4.	नाखून क्यों बढ़ते हैं	– हजारी प्रसाद द्विवेदी	निबंध
5.	कबीर साहब से भेंट	– रामधारी सिंह दिनकर	रेखाचित्र
6.	भोलाराम का जीव	– हरिशंकर परसाई	व्यंग्य
7.	बहता पानी निर्मला	– अज्ञेय	यात्रा वृत्तांत
8.	आखिरी चट्टान तक	– मोहन राकेश	यात्रा वृत्तांत
9.	लछमा	– महादेवी वर्मा	संस्मरण
10.	गुंडा	– जयशंकर प्रसाद	कहानी
11.	पूस की रात	– प्रेमचन्द	कहानी
12.	चीफ़ की दावत	– भीष्म साहनी	कहानी
13.	गर्मियों के दिन	– कमलेश्वर	कहानी

प्रश्न-पत्र - 2

आधुनिक हिन्दी कविता

1.	संध्या-सुंदरी	–	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
	तोड़ती-पत्थर	–	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
2.	किरण	–	जयशंकर प्रसाद
	बीती विभावरी जाग री	–	जयशंकर प्रसाद
3.	मुक्त करो नारी को	–	सुमित्रानंदन पंत
	गा, कोकिल	–	सुमित्रानंदन पंत
4.	(मधुर-मधुर) मेरे दीपक (जल)	–	महादेवी वर्मा
5.	नदी के द्वीप	–	'अज्ञेय'
	टेसू		'अज्ञेय'
6.	मुझे कदम-कदम पर	–	गजानन माधव मुक्तिबोध
7.	बहुत दिनों के बाद	–	नागार्जुन
	अकाल और उसके बाद	–	नागार्जुन
8.	काला तेंदुआ	–	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
	मुक्ति की आकांक्षा	–	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
9.	न्यू गरीब हिन्दू होटल	–	धूमिल
	कविता के द्वारा हस्तक्षेप	–	धूमिल

प्रश्न-पत्र - 3

आधुनिक हिन्दी एकांकी

1. अंधेर नगरी	–	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. दीपदान	–	रामकुमार वर्मा
3. जोंक	–	उपेन्द्रनाथ अश्क
4. भोर का तारा	–	जगदीश चन्द्र माथुर
5. वापसी	–	विष्णु प्रभाकर
6. सिकंदर	–	भुवनेश्वर
7. यक्षप्रश्न	–	लक्ष्मीनारायण लाल
8. गांधारी	–	मूल – एस. कंदस्वामी, (तमिल) अनुवाद : इंदरराज बैद

संदर्भ ग्रन्थ सूची :

1. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. कहानी, नई कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
4. हिन्दी नाटक – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली-2

5. आधुनिक हिन्दी नाटक – नेमिचंद जैन

6. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7. आज का नाटक-प्रगति और प्रभाव – डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

8. हिन्दी गद्य की प्रवृत्तियाँ – सं. नलिनविलोचन शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9. भारतीय नाट्य चिन्तन – डॉ. नगेन्द्र

10. उपन्यास सिद्धान्त – जार्ज लुकाच (मैकमिलन कं.)

11. हिन्दी के आँचलिक उपन्यास – डॉ. परमानंद श्रीवास्तव

12. आज की कहानी – धनंजय

13. आधुनिक काव्य : रचना और विचार – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

14. हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

15. आधुनिक कविता का मूल्यांकन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान

16. आधुनिक कविता और युगदृष्टि – डॉ. शिवकुमार मिश्र

17. प्रगतिवाद : एक समीक्षा – धर्मवीर भारती

18. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद - 1

19. छायावाद – डॉ. उदयभान सिंह

20. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

21. प्रगतिवादी काव्य – उमेशचन्द्र मिश्र

22. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक भाषा : अंग्रेज़ी (ENGLISH)

Paper–1

HISTORY OF ENGLISH LITERATURE

1. Age of Chaucer
2. The Fifteenth Century
3. Renaissance
4. The Age of Shakespeare
5. The Age of Milton
6. The Age of Dryden
7. The Age of Pope and Dr. Johnson
8. The Age of Wordsworth
9. The Victorian Era
10. The Modern Age

Reference Books :

1.	A.C Ward (Ed.)	:	The Cambridge History of English Literature
2.	A.C. Ward	:	Twentieth Century English Literature.
3.	A.S. Collins	:	English Literature of the Twentieth Century
4.	A.C. Rickett	:	History of English Literature
5.	Allardyce Nicoll	:	British Drama
6.	Boris Ford (Ed.)	:	The Pelican Guide to English Literature, Vols. I-VII
7.	C.H. Mair	:	Modern English Literature
8.	David Daiches	:	A Critical History of English Literature, Vols. I & II
9.	Emile Legouis	:	A Short History of English Literature
10.	Edward Albert	:	History of English Literature
11.	E.A. Baker	:	History of English Novel, Vols. I to XII
12.	George Saintsbury	:	History of English Literary Criticism
13.	Hugh Walker	:	The Literature of the Victorian Era

14.	Hugh Walker	:	The English Essay and Essayists
15.	Hugh Walker	:	The English Satire and Satirists
16.	Ifor Evans	:	A Short History of English Literature
17.	Legouis and Cazamian	:	A History of English Literature
18.	Oliver Elton	:	A Survey of English Literature, Vols. I & II
19.	W.J. Courthope	:	History of English Poetry, Vols. I to VI
20.	W.H. Hudson	:	An Outline History of English Literature
21.	William J. Long	:	English Literature

Paper–2

ENGLISH POETRY

1. The Marriage Of True Minds – William Shakespeare
2. The Pulley – George Herbert
3. Of Man's First Disobedience – John Milton
4. Essay On Man – Alexander Pope
5. The Tyger – William Blake
6. The Tables Turned – William Wordsworth
7. Kubla Khan – Samuel Taylor Coleridge
8. Ode To The West Wind – P.B. Shelley
9. Ode On A Grecian Urn – John Keats
10. Ulysses – Alfred Tennyson
11. My Last Duchess – Robert Browning
12. Dover Beach – Matthew Arnold
13. The Road Not Taken – Robert Frost
14. Worms And The Wind – Carl Sandburg
15. The Unknown Citizen – W.H. Auden
16. Do Not Go Gentle Into That Goodnight – Dylan Thomas

Paper–3

ENGLISH PROSE, DRAMA AND NOVEL

1. The King and the Doctors – G.B. Shaw
2. A Case of Indentity – Conan Doyle
3. The Stolen Bacillus – H.G. Wells
4. Woman not the Weaker Sex – Mahatma Gandhi
5. Hunting Big Games with the Camera – Major A. Radelyffe Dugmore
6. Riders To The Sea – J.M. Synge
7. An Ideal Individual – Bertrand Russell
8. Forgetting – R. Lynd
9. The Bishop's Move – P.G. Wodehouse
10. The Game of Chess – Kenneth Sawyer Goodman
11. Science, Humanity and Religion – S. Radhakrishnan
12. Kamala Nehru – Jawaharlal Nehru
13. Work and Leisure – Aldous Huxley
14. Reading for Pleasure – L.A.G. Strong
15. The Writing of History – George Orwell
16. The Golden Watch – Mulkraj Anand

DRAMA

1. The Merchant of Venice – William Shakespeare

NOVEL

1. Pride and Prejudice – Jane Austen

वैकल्पिक विषय

राजनीति विज्ञान (POLITICAL SCIENCE)

प्रश्न-पत्र – 1

भारतीय संविधान : शासन और राजनीति

खंड – अ

इकाई – 1 भारतीय संविधान का इतिहास, संविधान सभा, भारतीय नागरिकता, भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई – 2 भारतीय संविधान के मूलाधार : मूल-अधिकार, मूल कर्त्तव्य, नीति-निदेशक तत्व, संविधान की संशोधन विधियाँ

इकाई – 3 भारत में संघ व्यवस्था : स्वरूप, संघ व्यवस्था के लक्षण, भारतीय संविधान की संघात्मक विशेषताएँ, भारतीय संविधान की एकात्मक विशेषताएँ

इकाई – 4 निर्वाचन : अर्थ एवं महत्व, वयस्क मताधिकार, निर्वाचन आयोग, भारत में चुनाव सुधार

इकाई – 5 राजनीतिक दल : अर्थ एवं कार्य, भारत में दलीय व्यवस्था का स्वरूप, भारतीय राजनीति में दबाव समूह, जनमत निर्माण, जनसंचार माध्यम

खंड – ब

इकाई – 6 केंद्रीय शासन : कार्यपालिका - राष्ट्रपति : निर्वाचन, कार्य और शक्तियाँ, राष्ट्रपति की स्थिति, उपराष्ट्रपति, मंत्री परिषद : मंत्री मंडल और प्रधान मंत्री

इकाई – 7 केंद्रीय व्यवस्थापिका : संसद - गठन, कार्य और शक्तियाँ, न्यायपालिका : सर्वोच्च न्यायालय, संगठन, क्षेत्राधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन

इकाई – 8 राज्य शासन : राज्य कार्यपालिका – राज्यपाल, मंत्री परिषद्, मुख्य मंत्री, विधान मंडल – विधान-परिषद, विधान सभा, उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय

इकाई – 9 केंद्र व राज्य सरकारों के मध्य संबंध – वैधानिक, प्रशासनिक और वित्तीय संबंध, केंद्र-राज्य संबंध और सरकारिया आयोग

इकाई – 10 भारत में पंचायती राज : पंचायती राज की पृष्ठभूमि, पंचायती राज संस्थाएँ : ग्राम सभा, ग्राम पंचायत एवं न्याय पंचायत, पंचायत समिति, जिला-परिषद्

संदर्भ पुस्तक सूची :

1. भारतीय शासन एवं राजनीति, डॉ. एस.सी. सिंहल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा.
2. भारतीय शासन एवं राजनीति, डॉ. ए.पी. अवस्थी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा.
3. भारत में स्थानीय शासन, एस.आर. माहेश्वरी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा.
4. भारत का संविधान, शासन एवं राजनीति, वीरकेश्वर प्रसाद सिंह, ज्ञानदा प्रकाशन, पटना
5. भारत का संविधान, जय नारायण पाण्डेय, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी
6. संविधान की कहानी, सुभाष कश्यप, नेशनल प्रकाशन
7. राजनीति शास्त्र, विद्यालंकार, सत्यकेतु, सरस्वती सदन, नई दिल्ली
8. चुनाव, लोकसभा और राजनीति, राजीव रंजन, प्रभात प्रकाशन
9. भारतीय राजनीति और संविधान, सुभाष कश्यप, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भारतीय शासन एवं राजनीति, डॉ. पुखराज जैन, डॉ. बी.एल. फडिया साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा

प्रश्न-पत्र – 2

लोक प्रशासन

खंड - अ

इकाई – 1 लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र व महत्व, लोक प्रशासन कला और विज्ञान के रूप में, लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन, नवीन लोक प्रशासन

इकाई – 2 संगठन का अर्थ, परिभाषा, विचारधाराएँ, संगठन की संरचना सूत्र तथा स्टॉफ अभिकरण, संगठन के आधार, संगठन का महत्व

इकाई – 3 संगठन के सिद्धांत : आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, पदसोपान, समन्वय, केंद्रीकरण बनाम विकेंद्रीकरण, सत्ता का प्रत्यायोजन या हस्तांतरण

इकाई – 4 प्रबंध : अर्थ एवं परिभाषा, प्रकृति, कार्य, प्रबंध और प्रशासन, प्रशासन पर – बाह्य एवं आंतरिक नियंत्रण

इकाई – 5 कार्मिक प्रशासन : अर्थ एवं परिभाषा, कार्मिक प्रशासन के कार्य अथवा क्षेत्र – भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, सेवा निवृत्ति, अनुशासन तथा मनोबल, कार्मिक प्रशासन का महत्व

खंड - ब

इकाई – 6 लोक सेवाएँ – लोक सेवाओं का अर्थ, भारतीय लोक सेवाएँ, ब्यूरोक्रेसी या नौकरशाही – अर्थ, प्रकार तथा कार्य, महत्व, प्रशासन में भ्रष्टाचार

इकाई – 7 वित्तीय प्रशासन : बजट, वित्त पर संसदीय नियंत्रण, भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

इकाई – 8 केंद्रीय प्रशासन : केंद्रीय सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय

इकाई – 9 लोक निगम : भारत में लोक निगमों पर नियंत्रण, लोक निगमों की समस्याएँ एवं सुधार के सुझाव

इकाई – 10 भारत में योजनाएँ : योजना आयोग, संरचना, कार्य, राष्ट्रीय विकास परिषद्

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. भारतीय प्रशासन, अवस्थी एवं अवस्थी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
2. लोक प्रशासन : एक भूमिका, अवस्थी एवं माहेश्वरी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
3. प्रशासनिक सिद्धान्त, अवस्थी एवं अवस्थी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
4. लोक प्रशासन के तत्व, डॉ. एस.सी. सिंहल, अवस्थी एवं अवस्थी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
5. प्रबंधन के सिद्धान्त, वसंत देसाई, प्रभात प्रकाशन

प्रश्न-पत्र 3

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन

खंड - 'अ'

इकाई – 1 अंतर्राष्ट्रीय संबंध : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व, अवधारणाएँ: साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद

इकाई – 2 राष्ट्रीय शक्ति : अर्थ और महत्व, राष्ट्रीय शक्ति के तत्व : कच्चामाल, भौगोलिक और आर्थिक तत्व, जनसंख्या, मनोबल, विचारधारा, नेतृत्व तथा तकनीकी

इकाई – 3 राष्ट्रीय हितों की अभिवृद्धि के साधन : युद्ध, कूटनीति, प्रचार

इकाई – 4 अंतर्राष्ट्रीय कानून : परिभाषा एवं स्वरूप, उद्‌भव और विकास, अंतर्राष्ट्रीय कानून की विषय-वस्तु, सीमाएँ और संभावनाएँ

इकाई – 5 युद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की प्रवृत्तियाँ : शीत युद्ध-अर्थ और परिभाषा, शीत युद्ध का विकास, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर शीत युद्ध का प्रभाव, तनाव-शैथिल्य, द्वितीय शीत युद्ध, शीत युद्ध का अंत

खंड – 'ब'

इकाई – 6 शक्ति संतुलन : अर्थ और प्रकृति, आवश्यक तत्व, वर्तमान में शक्ति संतुलन की दशा

इकाई – 7 अंतर्राष्ट्रीय संगठन : राष्ट्र संघ, राष्ट्र मंडल, संयुक्त राष्ट्र संघ, क्षेत्रीय संगठन

इकाई – 8 शान्ति एवं सुरक्षा के संस्थागत दृष्टिकोणः सामूहिक सुरक्षा, अर्थ और उद्देश्य, सामूहिक सुरक्षा और विश्व शांति, गुटनिरपेक्षता

इकाई – 9 अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के समकालीन मुद्दे : अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, वैश्वीकरण या भूमंडलीकरण मानवाधिकार, पर्यावरणीय विवाद

इकाई – 10 भारत की विदेशनीति : प्रमुख सिद्धांत-पंचशील, गुटनिरपेक्षता, नेहरुकाल एवं भारत-चीन सीमा विवाद, नेहरुकाल और भारत-पाक संबंध, ताशकंद समझौता, भारत-पाक संबंध (1964 से वर्तमान तक), भारत और दक्षेस

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, डॉ. एस.सी. सिंहल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा.
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, डॉ. एस.सी. सिंहल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा.
3. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त, शांति देवबाला, उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
4. अंतर्राष्ट्रीय विधि, सांवलिया बिहारी लाल वर्मा, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
5. संयुक्त राष्ट्र संघ : एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन की रचना एवं कार्य, रुमकी वासु, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अंतर्राष्ट्रीय संगठन, रमेशचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. अंतर्राष्ट्रीय संबंध, डॉ. नलिनी पंत, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, विनोद सहगल, प्रभात प्रकाशन

वैकल्पिक विषय : इतिहास (HISTORY)

प्रश्न-पत्र – 1

भारतीय इतिहास का आधुनिक काल

खंड - 'अ'

इकाई – 1 भारत में यूरोपीय शक्तियों का आगमन – 18वीं शताब्दी के मध्य भारतीय स्थिति – बंगाल पर अंग्रेज़ों का अधिकार – प्लासी का युद्ध – बक्सर युद्ध, राबर्ट क्लाइव।

इकाई – 2 ब्रिटिश शक्ति का विस्तार-वारेनहेस्टिंग्ज – आंतरिक नीति – नन्दकुमार का मुकदमा – महाभियोग - लार्ड कार्नवालिस के प्रशासनिक सुधार।

इकाई – 3 लार्ड वेलेजली - सहायक सन्धि द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार - अंग्रेज़ों के मैसूर राज्य से संबंध और मैसूर युद्ध – हैदरअली और टीपू सुल्तान।

इकाई – 4 भारत की विदेशी - नीति पर प्रभाव, लार्ड विलियम बेन्टिक के सुधार - सतीप्रथा का उन्मूलन - 1813 का चार्टर एक्ट।

इकाई – 5 अंग्रेजों की गोद निषेध सिद्धान्त - केनिंग और उनके सुधार।

इकाई – 6 ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रारम्भिक विद्रोह-कृषक संघर्ष

इकाई – 7 1857 का विद्रोह – विद्रोह के कारण - परिणाम

खंड – 'ब'

इकाई – 1 लार्ड रिपन - स्थानीय स्वशासन पर प्रस्ताव - लार्ड कर्ज़न, उनका प्रशासनिक सुधार।

इकाई – 2 लार्ड लिटन – आंतरिक नीतियाँ – लिटन का प्रेस एक्ट।

इकाई – 3 सामाजिक तथा धार्मिक सुधार - राजाराममोहनराय (ब्रह्मसमाज) दयानन्दसरस्वती (आर्यसमाज), रानडे (प्रार्थना समाज), विवेकानन्द (रामकृष्णमिशन), स्वामी विवेकानन्द का योगदान, थियोसोफिकल सोसाइटी, ज्योतिबा फुले – मुसलमानों के सुधार आन्दोलन।

इकाई – 4 भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन - 1885-1905 – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन – नरमदल – गरमदल – दूसरा चरण – बंगाल का विभाजन – सन् 1906 में मुस्लिम लीग – सन् 1907 की सूरत कॉन्फ्रेन्स – सन् 1909 का मिन्टो मार्ले सुधार–सन् 1919 का माण्टेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार।

इकाई – 5 गाँधी युग (1919-1947) गाँधीजी द्वारा सविनय अवज्ञा आन्दोलन का प्रारम्भ–अगस्त प्रस्ताव 8 अगस्त 1940 – अगस्त क्रान्ति – भारत छोड़ो आन्दोलन की असफलता के कारण और इसका महत्व – क्रिप्स मिशन एवं क्रिप्स के प्रस्ताव।

इकाई – 6 भारत का विभाजन – वेवल प्लान – शिमला समझौता – मन्त्रिमण्डल मिशन की योजना – लार्ड माउण्ट बैटन।

इकाई – 7 ब्रिटिश शासन का राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक प्रभाव।

मानचित्र:

पाठ्य-सामग्री से संबंधित मानचित्र ही परीक्षा में दिए जाएँगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. प्रमोद कुमार, भारत का स्वतंत्रता संग्राम (1857–1947), मयूर पेपरबैक्स, नोएडा – 2004.
2. सुमित सरकार, आधुनिक भारत 1885–1947, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली, 2004.
3. पी.एल. गौतम, आधुनिक भारत का इतिहास, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर, 2004.
4. L.P. Sharma., Indian National Movement, Lakshmi Narain Agarwal, Agra, 2005.
5. गदाधर नारायण, भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का इतिहास (सन् 1857 से 1947 तक), प्रचारक ग्रंथावली परियोजना हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, 1979.
6. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988.
7. एलन कैम्पबैल जान्सन, भारत विभाजन की कहानी, मार्तण्ड उपाध्याय मंत्री, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली, 1974.
8. एम.एन. श्रीनिवास, आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1998.
9. जे.ए.बी. पामर, मेरठ में 1857 के विद्रोह आरम्भ, कैपिटल बुक हाउस, दिल्ली।
10. श्रीनिवास बालाजी हडीकर, अठारह सौ सत्तावन, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली, 1665.
11. विश्वमित्र उपाध्याय, विदेशों में भारतीय क्रांतिकारी आन्दोलन, प्रथमभाग, प्रगतिशील जन प्रकाशन, नई दिल्ली, 1986.
12. डॉ. डी.सी. मिश्रा, भारत का सामाजिक आर्थिक एवं राजनैतिक इतिहास, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1993.

प्रश्न-पत्र – 2

इतिहास (वैकल्पिक)

दक्षिण भारत का इतिहास

(प्राचीन काल से 1700 ई. तक)

इकाई – 1 संगम साहित्य – चेर – चोल – पान्ड्य – पल्लव – राजनैतिक, संगम काल की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ – कला और स्थापत्य – धार्मिक परिस्थितियाँ।

इकाई – 2 सातवाहन (राजवंश) : गौतमीपुत्र शातकर्णि – बादामी का चालुक्य राजवंश, पुलकेशी द्वितीय, विक्रमादित्य प्रथम – उनका सांस्कृतिक योगदान, राष्ट्रकूट वंश – कल्याणी के चालुक्य, विक्रमादित्य षष्ठ – चालुक्य कालीन धर्म, कला और साहित्य।

इकाई – 3 चोल (राजवंश) - राजराज और राजेन्द्र प्रथम – चोल साम्राज्य की प्रशासन चोल वंशकाल में कला एवं स्थापत्य – विजयनगर का साम्राज्य - कृष्णदेवराय – विजयनगर की वास्तुकला – बहमनी राज्य – बहमनी राज्य का पतन।

इकाई – 4 बीजापुर का आदिलशाह – गोलकुण्डा कुतुबशाही – उदय और पतन।

इकाई – 5 मराठा राज्य का उदय – शिवाजी का उत्कर्ष – मराठों की प्रशासन, धार्मिक नीति।

मानचित्र:

पाठ्य-सामग्री से संबंधित मानचित्र ही परीक्षा में दिए जाएँगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. अंशु मंगल, भारतीय इतिहास (प्रारम्भ से 1964 ई. तक), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा - 2004.
2. डा. हरि नारायण दुबे, दक्षिण भारत का बृहत् इतिहास, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद - 2004.
3. हरिशंकर शर्मा, प्राचीन भारत का इतिहास (आदिकाल से 1000 ई. तक), मलिक एण्ड कम्पनी - 2005.
4. K.A. Nilakanda Sastri, A History of South India, Oxford University Press, New Delhi - 2005.

5. श्रीनेत्र पाण्डेय, प्राचीन भारत का इतिहास (320 ईसवी से 1200 ईसवी तक), लोकभारती प्रकाशन - 1980.

6. डॉ. एच.एन. दुबे, दक्षिण भारत का बृहत इतिहास, (Advanced History of South India), शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

7. डॉ. के.ए. नीलकंठ शास्त्री, दक्षिण भारत का इतिहास, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।

8. श्याम मनोहर मिश्र, दक्षिण भारत का राजनैतिक इतिहास, विश्व प्रकाशन।

प्रश्न-पत्र – 3

आधुनिक यूरोप का इतिहास (1789-1945)

खंड - 'अ'

इकाई – 1 सन् 1789 की फ्रांसीसी क्रांति - क्रांति के कारण - राष्ट्रीय महासभा-संविधान सभा के कार्य-नयी विधान सभा-कन्वेन्शन-आतंक का राज्य-डायरेक्टरी का शासन।

इकाई – 2 नेपोलियन बोनापार्ट – (1769-1821) – उत्कर्ष – नेपोलियन की नीति – महाद्वीपीय योजना – नेपोलियन का पतन।

इकाई – 3 मेटरनिख काल – राजनीतिक जीवन – मेटरनिख की नीति – पतन के कारण।

इकाई – 4 इटली का एकीकरण – इटली के एकीकरण के मार्ग में अनेक कठिनाइयाँ – नेपल्स का विद्रोह, पीडमोट का विद्रोह, लोम्बार्डी, रिसोर जिमेण्टो, मेजिनी कावूर – इटली के एकीकरण की विशेषताएँ।

इकाई – 5 जर्मनी का एकीकरण – जर्मनी की स्थिति, प्रथम विलियम, बिस्मार्क।

इकाई – 6 बिस्मार्क (1871-1890) – नवीन जर्मनी – गृहनीति – नवीन फ्रान्स – नवीन इटली – रूस – इंग्लैण्ड – बिस्मार्क की आन्तरिक और विदेश नीति – उसका पतन।

खंड – 'ब'

इकाई – 7 प्रथम विश्व युद्ध – युद्ध के कारण – युद्ध का प्रवाह – वर्साई की सन्धि – सन्धि की धाराएँ – प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम।

इकाई – 8 राष्ट्र संघ – उद्देश्य – सदस्यता – मुख्य अंग – सभा – परिषद; सचिवालय – राष्ट्रसंघ का उत्कर्ष और पतन – राष्ट्र संघ के कार्य – अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा – राष्ट्र संघ की असफलता के कारण।

इकाई – 9 हिटलर का उदय – हिटलर के उदय के कारण – यहूदी – हिटलर की विदेशी नीति।

इकाई – 10 सन् 1917 की रूसी क्रांति – क्रांति के कारण – रूस की असफल विदेश – नीति – क्रांति का प्रभाव।

इकाई – 11 द्वितीय विश्व युद्ध – युद्ध के कारण – युद्ध का प्रवाह – मुख्य विशेषताएँ।

इकाई – 12 संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग – संयुक्त राष्ट्र संघ की सफलताएँ – संयुक्त राष्ट्र संघ की असफलताएँ और कमियाँ।

मानचित्र :

पाठ्य सामग्री से संबंध मानचित्र ही परीक्षा में दिए जाएँगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. बी.एल. ग्रोवर यशपाल, आधुनिक भारत का इतिहास एक नवीन मूल्यांकन (1707 ई. से वर्तमान समय तक), एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि., नई दिल्ली, 2005.
2. ब्र.न. मेहता, आधुनिक यूरोप, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 2005.
3. जार्ज डब्ल्यू. साउथगेट, आधुनिक यूरोप का इतिहास (1789 से 1945), एस. चन्द एण्ड कम्पनी, दिल्ली, 1957.
4. जवाहरलाल नेहरू, विश्व-इतिहास की झलक, पहला खंड, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, 1974, नई दिल्ली.
5. पी.एल. गौतम, आधुनिक भारत का इतिहास, मालिक एण्ड कम्पनी, जयपुर, 2004.
6. सुमित सरकार, आधुनिक भारत, (1885–1947), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.
7. शर्मा . व्यास, यूरोप का इतिहास (1453 से 1815 ई.), पंचशील प्रकाशन, जयपुर 1999.
8. डॉ. प्रीति त्रिवेदी, यूरोप का इतिहास, विकास प्रकाशन, कानपुर 2004.
9. विद्याधर महाजन, आधुनिक यूरोप का इतिहास, एस. चन्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
10. V.D. Mahajan, History of Modern Europe Since 1789, S. Chand & Company, New Delhi.

✦ *All Correspondence relating to admission, non receiving of guidelines, T.C. etc., examinations, results, mark-sheets should be addressed to:*

THE DIRECTOR,
DISTANCE EDUCATION DIRECTORATE
DAKSHINA BHARAT HINDI PRACHAR SABHA,
UCCHA SIKSHA AUR SHODH SANSTHAN,
THANIKACHALAM ROAD,
CHENNAI - 600 017.

✦ *All Correspondence relating to Convocation should be addressed to:*

THE REGISTRAR,
DAKSHINA BHARAT HINDI PRACHAR SABHA,
UCCHA SIKSHA AUR SHODH SANSTHAN,
THANIKACHALAM ROAD,
CHENNAI - 600 017.

✦ *Office Hours :*

10.00 AM to 1.30 PM
02.00 PM to 5.30 PM

✦ *The Office remains close on Second Saturdays, Sundays and Other Public Holidays.*

शैक्षिक वर्ष की गतिविधियों का विवरण

1. विज्ञापन तथा आवेदन-पत्र वितरण **15 मई, 15 जनवरी**

2. शैक्षिक वर्ष का प्रारम्भ **15 जून, 15 फरवरी**

3. बी.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए शिक्षा शुल्क जमा करने की अन्तिम तारीख **30 जून, 28 फरवरी**

4. बी.ए. प्रथम वर्ष का शुल्क जमा करने की अन्तिम तारीख **30 जुलाई, 30 मार्च**

5. परीक्षा आवेदन-पत्र संस्थान से भेजने की अन्तिम तारीख **14 जनवरी, 15 मई**

6. परीक्षा शुल्क, परीक्षा आवेदन-पत्र सहित जमा करने की अन्तिम तारीख **15 फरवरी, 15 जून**

7. तात्कालिक प्रमाण-पत्र, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र और संस्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय को पत्र लिखें। पत्र के साथ अंक सूची की जेरॉक्स कॉपी अवश्य भेजें। उक्त विषयों से संबंधित आवेदन-पत्र भर कर देने पर ही प्रमाण-पत्र दिए जाएँगे।

सत्रान्त परीक्षा :

1. मई के महीने में लगातार (छुट्टी के दिनों में भी) चलाई जाएगी।

2. परीक्षा की समाप्ति के 40-45 दिनों के अन्दर परीक्षाफल की घोषणा की जाएगी।

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

(विश्वविद्यालय शाखा)

एक नज़र

1. "दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास" संसदीय अधिनियम 14, 1964 द्वारा घोषित एक 'राष्ट्रीय महत्व की संस्था' है।

2. सभा को उक्त अधिनियम के द्वारा यू.जी.सी. अधिनियम में उल्लिखित उपाधियाँ देने का अधिकार प्राप्त है।

3. 1, जून 1964 को मद्रास में सभा का विश्वविद्यालय विभाग "उच्च शिक्षा और शोध संस्थान" के नाम से आरंभ किया गया। मद्रास में साहित्य-प्रधान पाठ्यक्रम अमल में है।

4. 1978 में हैदराबाद में हिंदी स्नातकोत्तर और अनुसंधान कांप्लेक्स आरंभ किया गया। उसमें भाषा प्रधान, प्रयोजन मूलक (फंक्शनल) पाठ्यक्रम अमल में है।

5. 1987 से धारवाड़ में तथा 1988 से एर्णाकुलम में भी स्नातकोत्तर अनुसंधान केंद्र आरंभ किये गये हैं।

6. मद्रास, हैदराबाद, एर्णाकुलम और धारवाड़ केन्द्रों में एम.ए., एम.फ़िल., पी-एच.डी., डी.लिट् तथा स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा की पढ़ाई होती है।

7. मद्रास, हैदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखपट्टणम, एर्णाकुलम, नीलेश्वरम, धारवाड़, बेलगाँव, बिजापुर, मैसूर, बैंगलूर में हिन्दी माध्यम में बी.एड. महाविद्यालय चलते हैं।

8. 1987 से हैदराबाद में पत्रकारिता (Journalism) और पुस्तकालय विज्ञान (Library Science) डिप्लोमा के पाठ्यक्रम हिन्दी माध्यम से चल रहा है।

9. सन् 2002 से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से बी.ए. हिन्दी, एम.ए. हिन्दी/स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा का पाठ्यक्रम शुरू हुआ है।